सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 64 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 9 अप्रैल, 2026
मूल्य ₹ 3/-

मन में धीरज रखने से सब कुछ होता है। अगर कोई माली किसी पेड़ को सौ घड़े पानी से सींचने लगे तब भी फल तो ऋतु आने पर ही लगेगा!
-कबीर दास

दिल्ली को रोमांचक मुकाबले में जीटी ने... 7
दक्षिणी राज्यों में सियासी बयानबाजी... 3
भाजपा समाज के लोगों को तोड़ने... 2

चुनाव आयोग की बीच बैठक में आईएएस अनुराग यादव की छुट्टी क्या निष्पक्षता पर ब्रेक?

» सीईसी ज्ञानेश कुमार ने की कार्रवाई, पश्चिम बंगाल चुनाव में बतौर ऑब्जर्वर की मिली थी जिम्मेदारी

» इससे पहले चुनाव आयोग के ट्वीट पर मच चुका था बवाल

» सीईसी ज्ञानेश कुमार पर विपक्षी पार्टियां गर्म टीएमसी और सपा की तरफ से सवालों की बौछार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सबसे संवेदनशील और निष्पक्ष मानी जाने वाली संस्थाओं में से एक चुनाव आयोग एक बार फिर सवालों के घेरे में है। वजह बनी है एक ऐसी घटना जिसने नौकरशाही और संवैधानिक संस्थाओं के रिश्तों पर नया विवाद खड़ा कर दिया है।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव आईएएस अनुराग यादव को पश्चिम बंगाल चुनाव में बतौर ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी से हटाए जाने की खबर ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। यह फैसला मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ एक वर्चुअल मीटिंग में हुई तीखी झड़प के बाद लिया गया है।

क्या पहले से निशाने पर थे अनुराग यादव?

सोशल मीडिया पर इस खबर के आम होने के बाद यह खबर तेजी से फैली और बहस शुरू हो गयी। सोशल मीडिया यूजर अनिल यादव ने इस घटना को उनकी जाति से जोड़कर सवाल पूछा है कि क्या अनुराग यादव पहले से सीईसी के निशाने पर थे। सपा नेता मनोज यादव कहते हैं कि अनुराग जी एक सक्षम अधिकारी है। वर्षों का अनुभव और उच्च पदों पर आसीन रह चुके अनुराग यादव पर जो आरोप लगाये जा रहे हैं वह गलत हैं। मनोज यादव कहते हैं कि अनुराग यादव पहले से निशाने पर थे क्योंकि सभी को पता है कि अनुराग यादव के रहते गलत काम हो ही नहीं सकता। वह गलत नहीं कर सकते। शायद यही कारण रहा कि उन्हें बहाने से हटाया गया।

सवाल का जवाब नहीं दे पाने का आरोप

मीटिंग के दौरान अनुराग यादव से उनके निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों की संख्या से जुड़े कुछ बुनियादी सवाल पूछे गए थे लेकिन वे सटीक जानकारी देने में विफल रहे। इस पर सीईसी ज्ञानेश कुमार ने उनकी आलोचना की। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक पर्यवेक्षक आयोग की आंख और कान होता है। यदि कोई अधिकारी जमीन पर कई दिन बिताने के बाद भी मतदान केंद्रों की संख्या जैसी बुनियादी जानकारी की पुष्टि नहीं कर पाता तो इससे पूरी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। आज की इस बैठक में कूच बिहार के संवेदनशील मतदान केंद्रों के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने ऐसे क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू करने की संभावना का सुझाव दिया। इलेक्शन कमीशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिव ने प्रत्येक जिले के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर मतदान केंद्र पर न्यूनतम सुनिश्चित सुविधाएं उपलब्ध हों।

> क्या एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को इस तरह अचानक हटाना प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा था या फिर यह किसी ऊपर से आए दबाव का नतीजा?

चुनाव आयोग की छवि पर सवाल?

पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर पहले से ही चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे थे। विपक्ष खासकर तृणमूल कांग्रेस लगातार आरोप लगा रही थी कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता की कमी है। दो दिन पहले ही आयोग द्वारा किए गए एक ट्वीट में टीएमसी का नाम आने पर भी विवाद भड़क उठा था। उस विवाद की आंच अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि यह नया टकराव सामने आ गया जैसे किसी सुलगती आग पर किसी ने पेट्रोल छिड़क दिया हो। यह सवाल अब जोर पकड़ रहा है कि क्या एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को इस तरह अचानक हटाना प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा था या फिर यह किसी ऊपर से आए दबाव का नतीजा? क्या यह केवल अनुशासन का मामला है या फिर असहमति की आवाज को दबाने का एक और उदाहरण? सिस्टम के गलियारों में फुसफुसाहट तेज है। क्या अब संवैधानिक संस्थाएं भी लाइन में रहने का दबाव महसूस कर रही हैं? और अगर हां तो लोकतंत्र के उस मूल सिद्धांत का क्या होगा जहां असहमति को भी जगह मिलनी चाहिए? इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारत की चुनावी राजनीति अब केवल वोटों की लड़ाई नहीं रही बल्कि यह संस्थाओं की विश्वसनीयता की भी जंग बन चुकी है। और इस जंग में हर एक घटना हर एक टकराव लोकतंत्र की सेहत का आईना बनता जा रहा है।

क्या है घटना

इलेक्शन कमीशन की फुल बेंच वर्चुअल मीटिंग के दौरान आज पश्चिम बंगाल में बतौर पार्यवेक्षक तैनात किये गये आईएएस अधिकारी अनुराग यादव की छुट्टी कर दी गयी। उन पर आरोप लगाया गया कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त के पूछे गये सवालों का जवाब नहीं दे पाये। जबकि अनुराग यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त के लहजे और सवाल पूछने के ढंग पर आपत्ति जाहिर की थी। इसी बात पर बहस गर्म हो गयी और मुख्य चुनाव आयुक्त का पारा चढ़ गया और उनसे घर जाने के लिए कह दिया गया। इस पर आईएएस अनुराग ने जवाब देते हुए कहा कहा कि आप हमारे साथ ऐसा बर्ताव नहीं कर सकते। हमने इस सेवा में अपने 25 साल दिए हैं। आप इस तरह से बात नहीं कर सकते। अनुराग यादव और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बीच तीखी बहस के बाद बैठक में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया जिसके बाद अन्य मुद्दों पर चर्चा फिर से शुरू हुई। मुख्य चुनाव आयुक्त ने अनुराग यादव को तत्काल प्रभाव से सामान्य पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया। हालांकि चुनाव आयुक्त दफ्तर के सूत्रों ने कहा कि अनुराग यादव को उनके विद्रोही रवैये के कारण नहीं बल्कि पेशेवर अक्षमता के कारण पद से हटाया गया है।

शांत चेहरा सख्त निर्णय प्रशासनिक दक्षता का नाम है अनुराग यादव

भारतीय प्रशासनिक सेवा में कुछ अधिकारी ऐसे होते हैं जो सुर्खियों से ज्यादा सिस्टम की नसों में बहते नजर आते हैं। अनुराग यादव की छवि शांत संयमित लेकिन निर्णायक अधिकारी के तौर पर मानी जाती है। उत्तर प्रदेश कैडर से आईएएस अधिकारी अनुराग यादव की पहचान केवल पदों से नहीं बल्कि कार्यशैली से बनी है। अनुराग यादव ने अपने प्रशासनिक करियर में जिला स्तर से लेकर राज्य स्तर तक कई अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं। झांसी के जिलाधिकारी के रूप में उनका कार्यकाल यह दर्शाता है कि वह जमीनी प्रशासन की बारीकियों को समझने वाले अधिकारी रहे हैं। जहां फैसले कागज पर नहीं बल्कि जनता के बीच जाकर लिए जाते हैं। वर्तमान में प्रमुख सचिव के पद पर कार्यरत हैं। अनुराग यादव की कार्यशैली का सबसे बड़ा पहलू है संतुलन। वह न तो अनावश्यक आक्रामकता के पक्षधर दिखते हैं न ही ढीले ढाले प्रशासन के। यही कारण है कि उन्हें कई संवेदनशील पदों पर तैनात किया जाता है जहां फैसले केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि राजनीतिक और सामाजिक संतुलन को भी साधते हो। एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में उनकी पहचान एक ऐसे प्रशासक की बनती है जो दबाव में भी निर्णय लेने से पीछे नहीं हटता।

> अनुराग यादव की कार्यशैली का सबसे बड़ा पहलू है संतुलन। वह न तो अनावश्यक आक्रामकता के पक्षधर दिखते हैं न ही ढीले ढाले प्रशासन के। यही कारण है कि उन्हें कई संवेदनशील पदों पर तैनात किया जाता है

भाजपा समाज के लोगों को तोड़ने वाली पार्टी : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- एक ही नीति, बांटो और राज करो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा को एकबार फिर धोया है। यूपी के पूर्व सीएम ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी समाज को तोड़ने वाली है। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपाई संगी-साथियों की विभाजनकारी नीतियां लोगों को एक-दूसरे से डराती और लड़ाती हैं। ये 'बांटो और राज करो' की साम्राज्यवादी सोच वाले लोग हैं। ये देश में अस्थिरता पैदा करते हैं, जिससे लोगों का ध्यान इनके भ्रष्ट शासन-प्रशासन की ओर न जाए।

अखिलेश ने जारी अपने बयान में कहा कि कोई भी समाज लड़ना नहीं चाहता है। भाजपाई संगी-साथी भोलेभाले लोगों को अपना शिकार बनाते हैं भाजपाई संगी-साथी भोलेभाले लोगों को अपना शिकार बनाते हैं और भय और अविश्वास का वातावरण बनाकर अपने मंसूबों को पूरा करते रहते हैं। वो दिन दूर नहीं जब इन विघटनकारी लोगों के लिए हमारे देश के हर गांव, बस्ती, शहर में नाकाबंदी घोषित कर दी जाएगी। उनकी साजिश और चालबाजी से परदा हट चुका है। इस बार जनता इन्हें हमेशा के लिए हटा देगी। जनता की जागरूकता ही देश का भविष्य बनाएगी।

भाजपा के लिए काम कर रहा चुनाव आयोग

पूर्व मुख्यमंत्री और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बुधवार को नौबस्ता के तुलसीनगर गांव में शोक संवेदना व्यक्त करने आए। यहां एक सवाल के जवाब में चुनाव आयोग पर सीधे भाजपा के लिए काम करने का आरोप जड़ा दिया। फिर पश्चिम बंगाल में चुनाव के संबंध में आयोग के पोस्ट का जिक्र कर बोले कि अगर आयोग हट जाए तो चुनाव अपने-आप भयरहित हिंसा रहित और छापा रहित होंगे। बंगाल की जनता से दीदी को जिताने की अपील की और कहा कि एक-एक वोट लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए होगा।

बुरे दिन जाने वाले है,अगली सरकार सपा बनाएगी

उन्होंने कहा कि बुरे दिन जाने वाले हैं। अगली सरकार सपा बनाएगी। भाजपा वाले दिखावे के लिए लड़ते हैं। मतदाता सूची का जिक्र आने पर कहा कि पीडीए प्रहरी बनाए हैं। एक मामले का उदाहरण देकर कहा कि नकली दस्तखत करवाकर मुस्लिमों के नाम काटे जा रहे हैं। पीडीए वालों का भाजपा हक नहीं देना चाहती। अब बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर छतरी लगवा रहे हैं जबकि सबसे अधिक प्रतिमाएं भाजपा वालों ने ही तोड़ीं। बसपा का नाम लिए बिना बोले कि उनके बाद सबसे अधिक प्रतिमाएं हमने ही लगवाईं हैं। बसपा गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने के सवाल पर बात घुमा दी।

भाजपा वाले जानते होंगे किसने बनाए पोस्टर

पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक फिल्म के पोस्टर का जिक्र हुआ तो बोले कि भाजपा वाले जानते होंगे कि किसने बनाए हैं। उनकी फिल्म रिलीज होने के पहले फ्लॉप हो गई। बोले कि मुख्यमंत्री योगी के बाद इंजीनियर बन गए। 30 किमी लंबी सड़क सात हजार करोड़ की डिजाइन की। ग्रीन कॉरिडोर ऐसा डिजाइन किया कि हर चौराहे पर सिर मारो। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी का जिक्र हुआ तो कहा कि उनके लिए सपा के दरवाजे बंद हैं।

महाशक्ति के सामने डटा रहा ईरान : महबूबा मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हुए हालिया युद्धविराम का स्वागत करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संकट के दौरान ईरान ने स्कूलों, कॉलेजों और अस्पतालों जैसी नागरिक संस्थाओं पर हमला न करके केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने ऐसी ही नागरिक संस्थाओं पर मिसाइलें दागकर नागरिकों को मार डाला।

उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे देश के सामने डटे रहना ईरान के लिए अत्यंत साहस और दृढ़ संकल्प की बात है। यह हमारे लिए एक मुबारक दिन है। एक महीने से अधिक समय से हमारा मुस्लिम समुदाय मुश्किलों में था। ईरान पर बहुत दबाव था और वह पीड़ा झेल रहा था। अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर क्रूर हमला किया, जिसमें हज़ारों लोग शहीद हुए। हालात बेहद खतरनाक थे। इज़राइल और अमेरिका ईरान पर बेरहमी से हमला कर रहे थे। आज मुझे खुशी है कि अल्लाह ने ईरान को इतना साहस और दृढ़ संकल्प दिया कि वह अमेरिका जैसी महाशक्ति के सामने डटकर खड़ा रहा। इसमें पाकिस्तान की भूमिका को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। उन्होंने पूरी दुनिया को युद्ध के कगार से वापस खींच लिया। एक तरफ जहां अमेरिका ने स्कूलों पर बमबारी करके बच्चों को मार डाला, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक स्थलों, बिजली संयंत्रों को नष्ट कर दिया और आम नागरिकों पर हमला किया, वहीं ईरान ने केवल सैन्य ठिकानों पर हमला किया।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के रिकॉर्ड देखने से हाईकोर्ट का इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में जज के चेंबर में हुई सुनवाई के दौरान गृह मंत्रालय की ओर से आए रिकॉर्ड का परीक्षण करने से फिलहाल परहेज किया है।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार के अधिकारी रिकॉर्ड के साथ उपस्थित थे, लेकिन कोर्ट इस स्टेज पर राहुल के खिलाफ लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच नहीं करने जा रही है। कोर्ट भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याची ने 28 जनवरी को लखनऊ की विशेष एमपी/एमएलए अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था।

विरासत पर भ्रष्टाचार का प्रहार, मौन है सरकार

हुसैनाबाद का पूरा संचालन निजी हाथों में सौंपने का खेल? लखनऊ विकास प्राधिकरण के नए टेंडर में करोड़ों की धांधली

» विरोध प्रदर्शन करके मामले को करेंगे उजागर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के हुसैनाबाद ट्रस्ट के अंतर्गत आने वाली ऐतिहासिक संपत्तियों और स्मारकों को निजी हाथों में देने या उनके प्रबंधन के निजीकरण की खबरें समय-समय पर चर्चा में रही हैं। इसबार फिर वह सुर्खियों में है। अबकी बार एक टेंडर के लिए जिस पर भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के गंभीर आरोप लग रहे हैं।

लखनऊ के स्थानीय अधिवक्ता रोहितकांत ने लखनऊ मंडलायुक्त व लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष से इस टेंडर प्रक्रिया को रोकने की मांग की है। बता दें विधानिक आपत्ति ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। अब इसके विरोध का फैसला किया गया है। दावा किया गया है तक हुसैनाबाद के टूरिस्ट फैसिसलटेशन सेंटर के सचालन लिए जो नया टेंडर तनकाला गया है, उसमें ऐसी शर्तें जोड़ी गई है जो न केवल सरकारी खजाने को चूना लगा रही हैं, बल्कि किसी खास कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए फिट की गई हैं। दो महीने के भीतर एक ही काम के लिए दो अलग-अलग टेंडर तनकाले गए। जब दोनों टेंडरों में तुलना की गई तो धांधली की बू आने लगी। अमीरों के लिए रास्ता खोला-पुराने टेंडर में कंपनी का सालाना टर्नओवर 4 करोड़ था उसे नए टेंडर में बिना कोई कारण बताए 10 करोड़ कर दिया गया। वहीं काम के अनुभव की शर्तों को ढीला कर दिया गया। पहले सरकारी विभागों के लिए काम का अनुभव अनिवार्य था, लेकिन नए टेंडर में हटाकर किसी भी प्राइवेट अनुभव क‍ो मान्य कर दिया गया है। पुराने टेंडर में सरकार को 20 लाख का सालाना किराया मिलना था। नए टेंडर में इसे घटाकर 8 लाख कर दिया गया है। यानि सरकार को लगभग 40 लाख का नुकसान। ये सीधे भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। वहीं याचिककर्ता ने प्रमुख सचिव और कमिश्नर से मांग की है इस संदिग्ध टेंडर प्रक्रिया तुरंत रोक लगाई जाए। उन फाइलों की जांच हों जिन्होंने इन बदलावों को मंजूरी दी है। साथ ही चेतावनी दी गई है तक अगर 48 घंटे के भीतर कार्रवाई नहीं हुई,तो मामला हाई कोर्ट और जनहित याचिका जाएगा। अब देखना यह है तक शासन इस सफेद हाथी बन चुके टेंडर की जांच करवाता है या हुसैनाबाद की विरासम को खामोशी से निजी स्वार्थ की भेंट चढ़ा दिया जाता है।

पूर्व आईएएस की पत्नी पर मेहरबानी

पूरे मामले में एक नाम बार-बार उभरा राष्ट्रीय वंदना कला केंद्र जो तक पूर्व आईएएस की पत्नी की कम्पनी है। इस पर आरोप कि इस कंपनी ने पहली निविदा में भाग नही लिया था। दूसरी निविदा में पात्रता और वित्तीय ढांचे को इस प्रकार पुनगार्ठित किया गया यह संस्था सहज रूप से योग्य हो जाए। यह केवल एक अनुमान नहीं, बल्कि साक्ष्यों के आधार पर दर्शाता है कि संबंधित को लाभ देने की कोशिश की गई है।

चहेतो को दिया रेड कार्पेट वेलकम

आर ोप है तक टेंडर की शर्तों का इस तरह बदला गया है कि छोटे और काबिल स्थानीय ठेकेदार रेस से बाहर हो जाए और ताकि किसी खास बड़ी मछली को एंट्री दिलाई जा सके।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

बिहार के बाहर या देश के बाहर राज्य की बुराई करना पूरी तरह गलत : तेज प्रताप

» लालू के बड़े पुत्र ने तेजस्वी सम्राट-निशांत को दिया मैसेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के नेता तेज प्रताप यादव ने तेजस्वी यादव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार गरीब नहीं है, बल्कि यहां के युवाओं का दिल बहुत बड़ा है। बिहार के बाहर या देश के बाहर राज्य की बुराई करना गलत है और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए।

तेज प्रताप यादव ने निशांत कुमार पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार के उपमुख्यमंत्री बनने की बात खुशी की है, लेकिन उनका अनुभव जीरो बटा सन्नाटा है। हालांकि, उम्र में बड़े होने के कारण उन्होंने उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा कि जब वे खुद राजनीति में आए थे तो उनके पास भी अनुभव नहीं था, लेकिन समय के साथ उन्होंने बहुत कुछ सीखा। उन्होंने नीतीश कुमार को लेकर भी नरम रुख अपनाया और कहा कि वे उनका सम्मान करते हैं। परिवारवाद को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि वह पिछली बातें हैं, अब वर्तमान की बात करनी चाहिए। वहीं, सम्राट चौधरी के संभावित मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर तेज प्रताप यादव ने कहा कि यदि वे मुख्यमंत्री बनते हैं तो उन्हें उनका समर्थन रहेगा।

दक्षिणी राज्यों में सियासी बयानबाजी तेज

भाजपा व डीएमके में वार-पलटवार जारी

बीजेपी ने कहा-कांग्रेस के लिए यह सबसे बुरा दौर है

» तमिलनाडु, केरल व पुडुचेरी में घमासान बढ़ा

» स्टालिन ने देवेंद्र फडणवीस को बयान पर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। खासतौर से दक्षिणी राज्यों में ये अपने चरम पर है। तमिलनाडु में स्टालिन, भाजपा पर आक्रामक है तो भाजपा भी उनको और कांग्रेस को घेरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा बीजेपी-आरएसएस की तुलना जहरीले सांप से करने पर बीजेपी ने कड़ा विरोध जताया। बीजेपी प्रवैक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए इसे जिहादी पार्टी कहा और चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की है। बीजेपी ने कांग्रेस पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए इसे जिहादी पार्टी बताया है।

साथ ही चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा, जिस प्रकार मल्लिकार्जुन खगरे मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए उन्हें सीधे-सीधे भड़का रहे हैं। कि बीजेपी-आरएसएस एक जहरीला सांप है। ये जहां दिखे मार दीजिए। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा, ये पहली बार नहीं है और न ही ये संयोग से दिया हुआ बयान है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये अपने राजनीतिक विरोधियों शुद्ध रूप से हत्या करवाने का बयान है। शहजाद ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने ऐसा पहली बार नहीं किया है, खरगे ने पहले भी बीजेपी-आरएसएस और पीएम मोदी के खिलाफ हिंसा भड़काने का प्रयास किया है। बीजेपी ने कहा, इससे पहले भी कांग्रेस ने 1984 में सिखों का नरसंहार कराया। फिर इसे बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती हिलती है, कहकर इस पर पर्दा डालने की कोशिश की। वहीं तमिलनाडु चुनाव के बीच, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने देवेंद्र फडणवीस के उस बयान की कड़ी आलोचना की है जिसमें उन्होंने मदुरै मेट्रो परियोजना को भाजपा उम्मीदवार की जीत से जोड़ा था। स्टालिन ने इसे सौदेबाजी और ब्लैकमेल करार देते हुए कहा कि एक मुख्यमंत्री को विपक्ष शासित राज्य में इस तरह की शर्तिया राजनीति नहीं करनी चाहिए।

फडणवीस ने कानून व्यवस्था के मुद्दों पर भी टिप्पणी की

तमिलनाडु में बाल यौन शोषण और नशीली दवाओं के बढ़ते मामलों का आरोप लगाया और डीएमके पर अपराधियों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि लोग देख रहे हैं कि डीएमके और इन सभी अपराधियों के बीच मिलीभगत है। और इसीलिए मुझे लगता है कि लोग अपना फैसला सुनाएंगे और एनडीए को वोट देंगे। ये टिप्पणियां तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले आई हैं, जो 23 अप्रैल को एक ही चरण में होंगे और वोटों की गिनती 4 मई को होनी है।

भाजपा नेता सौदेबाजी और ब्लैकमेल कर रहे : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की इस बात के लिए आलोचना की कि उन्होंने मदुरै मेट्रो परियोजना को भारतीय जनता पार्टी के विधायक के चुनाव से जोड़ दिया है। स्टालिन की यह टिप्पणी तब आई जब फडणवीस ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले मदुरै से भाजपा उम्मीदवार रमा श्रीनिवासन का नामांकन दाखिल करते हुए दावा किया कि मेट्रो परियोजना शहर तक तभी पहुंचेगी जब भाजपा उम्मीदवार चुनाव जीतेंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टालिन ने एक्स पर लिखा कि क्या महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का काम यह कहना है कि मदुरै में मेट्रो तभी बनेगी जब भाजपा विधायक निर्वाचित होगा, और इस तरह सौदेबाजी और ब्लैकमेल करना है? संविधान की शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री को विपक्ष शासित राज्य में जाकर इस तरह बोलने में शर्म आनी चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने राज्य की शासन संबंधी उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला और फडणवीस के दावों के विपरीत बात कही। स्टालिन ने आगे कहा कि क्या उन्हें पता है कि केंद्र सरकार द्वारा निधि आवंटन में उपेक्षा के बावजूद तमिलनाडु सरकार कितनी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लागू कर रही है? यदि नहीं, तो उन्हें बोलने से पहले तथ्यों का पता लगाना चाहिए।

भाजपा की नीतियां पुडुचेरी की आने वाली पीढ़ियों को बर्बाद कर देंगी

उदयनिधि ने मुदलियारपेट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वे ऐसी योजनाएँ लागू कर रहे हैं जो पुडुचेरी की आने वाली पीढ़ियों को बर्बाद कर देंगी। लेकिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने भाजपा की साजिशों को राज्य में प्रवेश करने से प्रभावी ढंग से रोक दिया। डीएमके युवा विंग के सचिव ने अपील करते हुए कहा कि हमें 9 अप्रैल के चुनाव में यह साबित करना होगा कि पुडुचेरी आत्मसम्मान के साथ जीने वाली भूमि है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बार-बार दोहराई जाने वाली दो इंजन वाली सरकार वाली टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और कहा कि इस दो इंजन वाली सरकार ने विकास के लिए कुछ खास नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन द्रविड़ मॉडल सरकार ऐसी नहीं है। स्टालिन ने 11.19 प्रतिशत की दोहरे अंकों वाली आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित की है। उन्होंने केंद्र सरकार पर केंद्र शासित प्रदेश के लोगों के प्रति कोई वास्तविक रुचि न होने का आरोप लगाया और कहा कि यही कारण है कि विधानसभा द्वारा कई बार प्रस्ताव पारित किए जाने के बावजूद पुडुचेरी को राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्या उन्होंने राज्य का दर्जा देने की लंबे समय से लंबित मांग पूरी की? प्रधानमंत्री मोदी के पास दिल नहीं है। वे तमिलनाडु की तरह पलानीस्वामी के माध्यम से पुडुचेरी को अपने नियंत्रण में रखना चाहते हैं।

द्रविड़ मॉडल से आर्थिक वृद्धि हासिल होगी

डीएमके सरकार के तहत राज्य के आर्थिक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए स्टालिन ने कहा कि यह याद रखना चाहिए कि द्रविड़ मॉडल द्वारा शासित तमिलनाडु ने दोहरे अंकों की आर्थिक वृद्धि हासिल की है, और उन जंक-इंजन राज्यों को पीछे छोड़ दिया है जिनका आप डबल इंजन राज्य होने का दावा करते हैं। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले मदुरै से भाजपा उम्मीदवार रामा श्रीनिवासन का नामांकन दाखिल करते हुए फडणवीस ने कहा कि एक बार रामा श्रीनिवासन जी विधायक चुने गए, तो हम उन्हें माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पास ले जाएंगे। और हम सभी जानते हैं कि मोदी जी को मदुरै जैसे महान शहर पर कितना भरोसा है। इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि एक बार रामा श्रीनिवासन जी मोदी जी तक पहुंच गए, तो मेट्रो मदुरै तक पहुंच जाएगी।

खरगे ने बीजेपी आरएसएस की तुलना जहरीले सांप से की

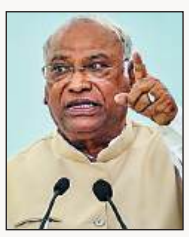

केरल में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी-आरएसएस की तुलना जहरीले सांप से कर दी। उन्होंने कहा, कि कुरान में लिखा है कि नमाज पढ़ते समय अगर कोई जहरीला सांप दिख जाए, तो उसे तुरंत मार देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, कि बीजेपी-आरएसएस वह जहरीला सांप है। अगर इन्हें नहीं मारा तो जान बचाना मुश्किल हो जाएगा।

पलानीस्वामी के माध्यम से तमिलनाडु पर नियंत्रण हासिल करना चाहती भाजपा : उदयनिधि

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने दावा किया कि भाजपा केंद्र शासित प्रदेश पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करना चाहती है, ठीक उसी तरह जैसे वह एडप्पाडी के पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली एआईएडीएमके के माध्यम से तमिलनाडु पर नियंत्रण हासिल करना चाहती है। डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए उदयनिधि ने कहा कि पुडुचेरी की जनता ने इस प्रेम की भूमि में कभी भी नफरत की राजनीति को पनपने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आज इस केंद्र शासित प्रदेश में फासीवादी भाजपा ताकतों की घुसपैठ काफी बढ़ गई है। यह भाजपा की सभी जनविरोधी नीतियों का परीक्षण स्थल बन गया है। यह एआईएनआरसी के सहारे आगे बढ़ रहा है, ठीक वैसे ही जैसे तमिलनाडु में पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली एआईएडीएमके के सहारे आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी शामिल है और इसके माध्यम से जाति आधारित शिक्षा प्रणाली (कुल कल्वी थिट्टम) लागू की गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पुरुष और महिलाओं की भावनाओं को समझना जरुरी

आजकल वैवाहिक संबंध टूटने की खबरें आम हो गई हैं। जहां तलाक के मामले बढ़ रहे हैं वहीं गृह कलह के कारण आत्महत्याएं भी बढ़ने लगी हैं। ज्यादातर मामले में विवाह में साथ रहने की अपेक्षा व्यक्तिगत रहने की इच्छा की वजह से भी यह समस्या विकराल होती जा रही है। सरकारों व सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ परिवारों को भी इस गंभीर चिंतन की जरूरत है कि समाज में विवाह संस्था कमजोर क्यों पड़ रही है। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है।

“ पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एलपीजी का विकल्प बन सकती है बायोगैस

डॉ. शशांक द्विवेदी

भारत आज ऊर्जा परिवर्तन के एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। एक ओर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों घरों तक एलपीजी पहुंचाकर स्वच्छ ईंधन की क्रांति लाई है, वहीं दूसरी ओर बढ़ती आयात निर्भरता, कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक भू-राजनीतिक संकटों ने देश की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हाल के समय में पश्चिम एशिया के तनाव के कारण एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने की घटनाओं ने इस चिंता को और गहरा किया है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। नि:संदेह, यह स्थिति भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देश के लिए एक चेतावनी है कि अब ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को टालना संभव नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय संकटों का सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ता है-पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं, महंगाई बढ़ती है और घरेलू रसोई तक प्रभावित होती है।

ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के विकल्प तलाशें। इसी संदर्भ में बायोगैस एक मजबूत और टिकाऊ समाधान के रूप में उभरती है। बायोगैस जैविक कचरे-जैसे गोबर, कृषि अवशेष, रसोई कचरा आदि से उत्पन्न गैस है, जिसमें मुख्य रूप से मीथेन होती है। यह गैस खाना पकाने, बिजली उत्पादन और वाहन ईंधन के रूप में भी इस्तेमाल की जा सकती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में बायोगैस की अपार संभावनाएं हैं। गांवों में पशुधन और जैविक कचरे की उपलब्धता इसे एक व्यावहारिक विकल्प बनाती है। गांवों में छोटे और मध्यम आकार के बायोगैस प्लांट स्थापित कर स्थानीय स्तर पर गैस का उत्पादन किया जा सकता है। इससे एलपीजी सिलेंडर पर निर्भरता कम होगी। बायोगैस को शुद्ध कर कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) बनाया जा सकता है, जो एलपीजी और सीएनजी का प्रभावी विकल्प है। 'गोबर-धन योजना' और 'एसएटीएटी' जैसी योजनाएं बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा दे रही हैं। इनके माध्यम से किसानों और उद्यमियों को आर्थिक सहायता और बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है।

शहरों में निकलने वाले जैविक कचरे को बायोगैस में बदलकर न केवल ऊर्जा पैदा की जा सकती है, बल्कि कचरा प्रबंधन की समस्या का भी समाधान किया जा सकता है। भारत में एलपीजी की सालाना खपत लगभग 28-31 मिलियन टन के आसपास है। भारत में एलपीजी का घरेलू उत्पादन लगभग 10-

12 एमएमटी प्रति वर्ष है। यानी कुल मांग का केवल 35-40 प्रतिशत ही देश में बनता है। भारत को हर साल लगभग 18-22 एमएमटी एलपीजी आयात करनी पड़ती है। यानी 60-65 प्रतिशत एलपीजी आयात पर निर्भरता। भारत आधा से ज्यादा एलपीजी बाहर से खरीदता है। आयात का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। इसलिए हॉर्मुज स्ट्रेट जैसे संकट भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए सीधा खतरा हैं। भारत में अभी लगभग 132 सीबीजी प्लांट चल रहे हैं। इनकी कुल उत्पादन क्षमता लगभग 9200 टन प्रतिदिन है। यानी अभी बायोगैस का योगदान 1 प्रतिशत से भी कम है। भारत 20 एमएमटी सीबीजी बना सकता है। कुल संभावित क्षमता कचरा, गोबर, अवशेष की। कुल क्षमता लगभग 60 एमएमटी तक मानी जाती है। इसका मतलब भारत अपनी पूरी एलपीजी जरूरत (300 एमएमटी) बायोगैस से पूरा कर सकता है। फिलहाल अभी लगभग 300 से अधिक नए प्लांट निर्माणाधीन हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के अनुसार भारत में 2030 तक बायोगैस उत्पादन 7 गुना तक बढ़ सकता है। बायोगैस न केवल सस्ती है बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है। इससे कार्बन उत्सर्जन कम होता है, जैविक खाद भी मिलती है और किसानों की आय बढ़ती है। साथ ही, यह स्थानीय रोजगार के अवसर भी पैदा करती है। बायोगैस के क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं- जैसे शुरुआती निवेश, तकनीकी जानकारी की कमी और जागरूकता का अभाव। भारत में बायोगैस को लेकर अभी भी कई भ्रांतियां हैं। कई लोग इसे 'गांव की तकनीक' मानते हैं या इसके उपयोग में असुविधा महसूस करते हैं। दूसरी ओर, एलपीजी को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक ईंधन के रूप में देखा जाता है। यही कारण है कि शहरी और यहां तक कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग एलपीजी को प्राथमिकता देते हैं।

इसके लिए जरूरी है कि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और तकनीकी समर्थन उपलब्ध कराएं। वर्तमान वैश्विक संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है। बायोगैस जैसे स्वदेशी और टिकाऊ विकल्पों को अपनाकर भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास को गति दे सकता है। आज जरूरत है एक समन्वित प्रयास की— नीतियों, तकनीक और जनभागीदारी के जरिए ताकि बायोगैस को एलपीजी का वास्तविक विकल्प बनाया जा सके।

मौजूदा माहौल में प्रवासियों को आश्वस्त करना जरूरी

ज्योति मल्होत्रा

ऐसे में जब भारत पश्चिम एशिया में युद्ध से पैदा हुए तेल-गैस संकट से निबटने में लगा है, प्रवासी मजदूरों की घर वापसी शुरू हो गयी है। पंजाब से लेकर महाराष्ट्र तक, जहां भी प्रवासियों की बड़ी आबादी है, 5 किलो वाले छोटे रसोई गैस सिलेंडरों की उपलब्धता में कमी के कारण वे उत्तर प्रदेश और बिहार के अपने गांवों को लौटने को मजबूर हो रहे हैं। हालात हर्गिज वैसे नहीं जैसे मार्च 2020 में थे, जब देश में कोविड महामारी फैली थी और रातोंरात लॉकडाउन घोषित कर दिया गया था। गत सप्ताह, पाया गया कि वैसे तो हर साल बैसाखी के आसपास प्रवासी हमेशा से जाते रहे हैं, जब रबी फसल की कटाई हो चुकी होती है, मजदूरी मिल चुकी होती है और मालिक आने वाले नए साल की खुशी से सराबोर होते हैं- वहीं एक बार फिर से क्षितिज पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

चिंतातुर प्रवासी जो आशंका जता रहे हैं, वह हो भी सकता है, कह रहे हैं कि यदि हो गया तब होगा। निश्चित तौर पर यह युद्ध भारत व दुनिया को अपनी बेहतरीन योजनाओं पर फिर विचार करने को मजबूर कर रहा है। देश के भीतर, मोदी सरकार रुपये की गिरती कीमत को थामकर रखने को प्रयासरत है- एक महीने पहले, 28 फरवरी को अली खामेनेई की हत्या के साथ संकट शुरू होने से पहले, भाव 90 रुपये प्रति डॉलर पर था, और पिछले हफ्ते इसने 95 रुपये प्रति डॉलर की मनोवैज्ञानिक सीमा भी पार ली थी, जिसके बाद आंशिक वापसी भी की। तेल का दाम बढ़ने को फिलहाल थाम रखा है- भारत अपनी खपत का कम से कम 80 प्रतिशत तेल आयात करता है- लेकिन उर्वरक की कीमतें अभी से बढ़ने लगी हैं। तेल की भांति-जिसकी खपत का पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरता है -दुनियाभर में पहुंचने वाले अमोनिया और यूरिया का 25-30 प्रतिशत इस संकरे जलडमरू से होकर गुजरता है और ये दोनों उर्वरक बनाने में मुख्य घटक हैं, और खाद बनाने में इस्तेमाल होने वाली नैचुरल गैस का 20 प्रतिशत भी इसी रास्ते से आता है।

ईरान यूरिया का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है (यह एक आम नाइट्रोजन उर्वरक है); ईरानी हमलों के बाद कतर ने अपने गैस संयंत्र बंद कर दिए - वह दुनिया के 14 फीसदी यूरिया की आपूर्ति करता है। भारत दुनिया में उर्वरक का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। अब आपको पूरी तस्वीर साफ हो गई होगी। अगर ईरान युद्ध जारी रहता है व खाद बनाने वाले घटकों की सप्लाई में रुकावट आती है- दुनिया के अन्न उत्पादन का करीब आधा हिस्सा सिंथेटिक नाइट्रोजन खाद पर निर्भर है- तो गरीब और ज्यादा मुश्किल में पड़ जाएंगे। इस बीच, जैसे-जैसे यूरोप ट्रंप से तंग आ रहा है- फ्रांस, स्पेन और जर्मनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति की दोहरी बातों पर सरेआम नाराजगी व्यक्त की है; कि एक तरफ वे युद्ध रोकने की बात करते हैं वहीं दूसरी ओर चेतावनी कि अमेरिकी सेना इस पुरानी फारसी सभ्यता को घुटनों पर लाने के लिए ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे, जैसे पुल, बिजली लाइनों आदि को निशाना बनाएगी- शक्ति संतुलन के बदलने के आरंभिक संकेत शायद अब मिलने लगे हैं।

कुछ दिनों से होर्मुज जलडमरू मध्य पर जहाजों से टोल टैक्स युआन में वसूलना शुरू हो चुका है। गत शुक्रवार, भारत के लिए तेल ले जा रहा एक जहाज रास्ता बदलकर अब चीन की तरफ बढ़ रहा है। सामान्य कामकाज में बन जाने वाली असहजता अजीब बात नहीं- आखिर युद्ध जारी है और भारत भी उससे अछूता नहीं- इस माह कई राज्यों में होने वाले चुनावों को लेकर गहमागहमी छायी है। नतीजन, भारत के राज्यों का सियासी नक्शा इस चुनाव या अगले साल होने वाले कुछ विधानसभा चुनावों के बाद बदल भी सकता है और नहीं भी- लेकिन, सत्ताधारी भाजपा को निश्चित रूप से कोई खतरा नहीं। प्रधानमंत्री हमेशा वाले अपने जोश के साथ देश के एक कोने से दूसरे में जा रहे हैं; जहां असम में वे चाय बागान में महिला मजदूरों के साथ चाय की पत्तियां तोड़ते नजर आए वहीं इससे कुछ दिन पूर्व, और बाद में, पुडुचेरी, तमिलनाडु व केरल में रैलियों को संबोधित किया। शायद युद्ध की वजह से पैदा हुई बेचैनी पिछले महीने वॉशिंगटन डीसी स्थित एक थिंक टैंक, पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स की एक रिपोर्ट से और भी बढ़ गई। इस थिंक टैंक की अगुवाई अरविंद सुब्रमण्यन कर रहे हैं, जो मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं।

इस वर्किंग पेपर में भारत के जीडीपी आकलनों में पिछले 20 साल से हो रही गलतियों के नए सबूत पेश किए गए हैं। अर्थशास्त्री के तर्क का मुख्य बिंदु है कि 2005 से 2011 के बीच के तेजी के सालों में- भारत ने शायद कभी अपनी आर्थिक विकास दर 1-1.5 फीसदी अंक कम करके आंकी थी, जबकि 2012-2023 के बीच अपनी आर्थिक विकास दर को 1-1.5 प्रतिशत अंक ज्यादा करके आंका है। रोचक यह कि जिस आधे दशक में दर कम करके आंकी गई, वह मनमोहन सिंह के कार्यकाल से मेल खाता है; जब पूर्व प्रधानमंत्री ने आर्थिक तरक्की पाने में एनिमल स्पिरिट्स (सहज आशावाद) जगाने का आह्वान किया व एक महत्वाकांक्षी भारत का निर्माण किया। जबकि, मोदी का शासन काल वह दशक है जिसमें आर्थिक वृद्धि को बढ़ाकर आंका गया, इस कालखंड की मुख्य पहचान नोटबंदी, जीएसटी की शुरुआत और कोविड महामारी से है-जाहिर है, इनमें महामारी उनकी गलती नहीं थी।

हड्डियां इन योगासनों से होंगी मजबूत

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में कमजोर हड्डियां एक आम समस्या बन चुकी है। गलत खान-पान, बैठकर काम करना, धूप की कमी और एक्सरसाइज न करना इसके मुख्य कारण हैं। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए योग एक प्राकृतिक, सुरक्षित और असरदार उपाय है। योग न सिर्फ हड्डियों को मजबूती देता है बल्कि मांसपेशियों, जोड़ों और रीढ़ की हड्डी को भी स्वस्थ रखता है। अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ और मजबूत रहना चाहते हैं, तो योग को अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करें। नियमित योग अभ्यास से हड्डियां मजबूत होती हैं, जोड़ों का दर्द कम होता है और शरीर में नई ऊर्जा आती है।

ताड़ासन

यह योगासन शरीर को खींचता है और हड्डियों पर सकारात्मक दबाव डालता है, जिससे उनकी घनत्व बढ़ती है। ताड़ासन के अभ्यास के कई फायदे हैं। ताड़ासन शब्द ताड़ के वृक्ष से लिया गया है। इसीलिए, इसे अंग्रेजी में Palm Tree Posture कहते हैं। जिस प्रकार से ताड़ का पेड़ एक सीध में खड़ा रहता है उसी प्रकार से ताड़ासन योग किया जाता है। यह एक बेहतरीन योगासन है, जिसे आप आसानी से अपने घर में कर सकते हैं। इस योग को करने से आपकी रीढ़ की हड्डियों से जुड़ी समस्याओं में सुधार होता है। इसके साथ ही यह आपके बैलेंस को बेहतर बनाता है। जिनकी लंबाई नहीं बढ़ रही है उन्हें ताड़ासन नियमित रूप से करना चाहिए।

वृक्षासन

यह आसन पैरों की हड्डियों और जोड़ों को मजबूती देता है। वृक्षासन का नियमित अभ्यास घुटनों और टखनों को मजबूत बनाता है। यह आसन संतुलन और एकाग्रता में सुधार लाता है। यह योगासन रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। अगर आप इस योगासन का नियमित अभ्यास करेंगे, तो इससे पैरों में संतुलन और स्थिरता में सुधार होगा। इस योगासन के अभ्यास से पैर और हाथों की मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे बच्चों की लंबाई बढ़ाने में मदद मिल सकती है। वृक्षासन के नियमित अभ्यास से दिमाग को स्वस्थ और संतुलित रखने में मदद मिलती है। सतर्कता और एकाग्रता में सुधार करने के लिए इस योग के अभ्यास को फायदेमंद माना जाता है।

भुजंगासन

भुजंगासन का अभ्यास रीढ़ की हड्डी और पीठ की मांसपेशियों के लिए बेहद लाभकारी है। इससे स्पाइन मजबूत होता है और पीठ दर्द में राहत मिलती है। पूर्ण भुजंगासन अभ्यास सावधानी के साथ करना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले पेट के बल लेटें। हथेलियां कंधों के पास रखें। सांस लेते हुए छाती, गर्दन और सिर ऊपर उठाएं, कोहनियां थोड़ी मोड़ें और कंधे पीछे की ओर खींचें। इसके बाद घुटने मोड़कर पैरों के पंजे ऊपर उठाएं। सिर-गर्दन पीछे तानें और पैरों से सिर छूने की कोशिश करें। आराम से जितनी देर हो सके शरीर पर बिना दबाव डाले इस मुद्रा में रुकें।

कमजोरी के कारण

कैल्शियम और विटामिन डी की कमी, बढ़ती उम्र, ज्यादा देर बैठना, धूप में न जाना, हार्मोनल बदलाव और तनाव और खराब जीवनशैली का हड्डियों पर बहुत बुरा असर पड़ता है।

सेतुबंधासन

यह आसन रीढ़ और कमर के लिए बहुत फायदेमंद है। सेतुबंधासन के अभ्यास से रीढ़ का लचीलापन बढ़ता है। साथ ही यह आसन बोन लॉस कम करता है। खानपान की गलत आदतें और काम का बढ़ता तनाव पुरुषों के ओलरऑल हेल्थ को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। ऐसे में लोगों के बीच योग का महत्व भी काफी बढ़ गया है। रोजाना सिर्फ 6 मिनट सेतुबंधासन करने से पुरुषों के स्वास्थ्य को काफी फायदा मिलता है। इस आसन को ब्रिज पोज भी कहा जाता है, जो पीठ को मजबूत करने और छाती को खोलने में मदद करते हैं।

वीरभद्रासन

यह योगासन पूरे शरीर के वजन को संतुलित करता है। इस आसन के अभ्यास से जांघों और कूल्हों की हड्डियां मजबूत होती हैं। वीरभद्रासन करने से स्टैमिना बढ़ता है। वीरभ्रदासन 2 को अंग्रेजी में वॉरियर पोज 2 के नाम से जाना जाता है। इस आसन को करने से शरीर में ताकत, एनर्जी और बैलेंस बनाए रखने में मदद मिलती है। शरीर को मजबूत बनाने और फिटेनस गोल पाने के लिए इस आसन की रेगुलर प्रैक्टिस की जा सकती है।

हंसना मना है

लड़की - अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगे? लड़का- मैं भी मर जाऊंगा, लड़की - पर क्यों? लड़का- कभी कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है!

लड़की- परसों मैं तुम्हें राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यूं? लड़का- अगर में तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊं तो क्या तू मुझसे बंधवायेगी, बात करती है।

बेटा- मुझे शादी नहीं करनी! मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता- कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

बंता- तेरे घर से हमेशा हसने कि आवाज़ आती है, इतनी खुशी का राज क्या है? संता - मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाये तो वो हंसती है, नही लगे तो मैं हंसता हूं!

मैंने सुना है आप बहुत कमजोर हो गए हो, फिट रहने के लिए रोज1 चम्मच खाया करो अंबुजा सिमेंट, क्योंकि इस सिमेंट में जान है!

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते.. पति- क्या तुमने कभी किसी को चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है।

कहानी | राजा और मूर्ख बंदर

एक राजा के पास पालतु बंदर था। राजा उस बंदर पर बहुत विश्वास करता था, क्योंकि वह बंदर राजा का भक्त था। बंदर राजा की पूरे मन से सेवा करता था, लेकिन बंदर बिल्कुल मूर्ख था। उसे कोई भी काम ठीक से समझ नहीं आता था। राजा जब भी विश्राम करता बंदर उसकी सेवा के लिए हाजिर हो जाता था। उसके लिए हाथ पंखा चलाता था। एक दिन की बात है, जब राजा सो रहा था और बंदर उसके लिए पंखा झल रहा था, तभी एक मक्खी भिन भिनाते हुए राजा के ऊपर आकर बैठ जाती है। बंदर उस मक्खी को पंखे से बार-बार भागने की कोशिश करता है, लेकिन मक्खी उड़कर कभी राजा की छाती पर, कभी सिर पर, तो कभी जांघ पर जाकर बैठ जाती थी। मूर्ख बंदर काफी समय तक ऐसे ही मक्खी को भागने की कोशिश करता रहा, लेकिन मक्खी वहां से जाने का नाम ही नहीं ले रही थी। यह देखकर बंदर को क्रोध आ जाता है और वह पंखा छोड़कर तलवार निकाल लेता है। जब मक्खी राजा के माथे पर बैठती है, तो बंदर तलवार लेकर राजा की छाती पर चढ़ जाता है। यह देख कर राजा काफी डर जाता है। फिर मक्खी माथे से उड़ जाती है, तो बंदर उसे मारने के लिए हवा में तलवार चलाता है। इसके बाद मक्खी राजा के सिर पर जाकर बैठ जाती है, तो बंदर के तलवार से राजा के बाल कट जाते है और जब मूंछ पर बैठती है, तो मूंछ कट जाती है। यह देख राजा कमरे से जान बचाकर भागता है और बंदर तलवार लेकर उसके पीछे भागता है। इससे पूरे महल में उथल-पुथल मच जाती है।

कहानी से सीख- इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी मूर्ख को ऐसा काम न सौंपे, जो बाद में आपके लिए ही खतरा उत्पन्न कर दें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। करियर के क्षेत्र में उन्नति के योग हैं। आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी और वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग बन सकता है।

वृषभ

आज आपका भाग्य पूरी तरह से साथ देगा। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। नौकरी में बदलाव का सोच रहे हैं तो यह समय अनुकूल है। सेहत में सुधार होगा।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, लेकिन सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क

आज आप अपनी रचनात्मकता पर ध्यान केंद्रित करेंगे। आपके काम से लोग प्रभावित होंगे और आपको सराहना मिलेगी। संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

सिंह

आज का दिन आपके करियर में उतार-चढ़ाव ला सकता है। हालांकि, मित्रों और शुभचिंतकों का सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन सामान्य से बेहतर रहेगा।

कन्या

आज आप अपनी निर्णय लेने की क्षमता से लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र में कामकाज के चलते व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन सभी रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे।

तुला

आज का दिन आपके लिए चुनौतियों से भरा हो सकता है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। कोई भी बड़ा निवेश सोच-समझकर करें। इससे भविष्य में लाभ कमाने के मौके मिलेंगे।

वृश्चिक

आज आपका पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की के योग हैं। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यापार में लाभ होगा।

धनु

आज आपको जुआ, सट्टा या लॉटरी जैसे जोखिम भरे कामों से बचना चाहिए। अपनी जुबान पर नियंत्रण रखें, अन्यथा परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है।

मकर

आज आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। कार्य और व्यापार में तरक्की मिलेगी। कार्यक्षेत्र में प्रबंधन से जुड़े मामले आपके पक्ष में रहेंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए कुछ खर्चों वाला हो सकता है, इसलिए बजट का ध्यान रखें। यात्रा पर जाने के योग हैं। विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें।

मीन

आज आपकी आय में वृद्धि हो सकती है। रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों से लाभ मिलेगा। मित्रों का परामर्श आपके लिए मार्गदर्शक होगा।

हालीवुड | मन की बात

युवाओं को रजनीकांत ने दी सलाह, नशे के आदी न बनें

मेगास्टार रजनीकांत ने युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण बात कही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी पढ़ाई और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए, न कि नशे या शराब जैसी बुरी आदतों में पड़ना चाहिए। चेन्नई एयरपोर्ट के बाहर मीडिया से बात करते हुए रजनीकांत ने कहा कि युवा अपने जीवन के बारे में गंभीरता से सोचें। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युवा गलत रास्ते पर चले तो उनकी जिंदगी जहन्नुम बन सकती है। रजनीकांत ने युवाओं से अपील की कि वे अनुशासन में रहें, पढ़ाई करें और अच्छी आदतें अपनाएं। रजनीकांत ने कहा, युवाओं को अपनी शिक्षा और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। स्वस्थ रहें। नशे या शराब के आदी न बनें। अगर आपको चोट लगी तो यह सिर्फ आपका ही नहीं, आपके माता-पिता और परिवार का भी नुकसान है। जिंदगी न सिर्फ आपके लिए, बल्कि आपके प्रियजनों के लिए भी नर्क बन सकती है। अगर आपका कोई दोस्त नशा करता है तो उसके पास न जाएं। रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। जेलर 2 2023 की सुपरहिट तमिल फिल्म का बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जिसे नेल्सन दिलीप कुमार निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म 12 जून 2026 को रिलीज होने की उम्मीद है। फिल्म में रजनीकांत टाइगर मुथुवेल पांडियन की भूमिका में लौटेंगे और शाहरुख खान और मिथुन चक्रवर्ती जैसे सितारों के कैमियो होने की खबर है। इसके अलावा रजनीकांत थलाइवर 173 फिल्म में भी काम कर रहे हैं, जिसका निर्देशन सिबी चक्रवर्ती कर रहे हैं। थलाइवर 173 को जिसे कमल हासन की प्रोडक्शन कंपनी निर्मित कर रही है। अप्रैल 2026 में शूटिंग शुरू हो चुकी है। यह फिल्म पोंगल 2027 में रिलीज हो सकती है।

मृणाल ठाकुर के साथ रोमांटिक अंदाज में दिखे वरुण धवन

डेविड धवन द्वारा निर्देशित फिल्म है जवानी तो इश्क होना है से आज वरुण धवन ने एक और नया लुक शेयर किया है। हाल ही में वरुण ने अपनी इस फिल्म से पूजा हेगड़े के साथ एक रोमांटिक लुक शेयर किया था। वहीं आज वरुण ने मृणाल ठाकुर के साथ रोमांटिक पोज शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है। वरुण धवन ने आज अपनी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है के सेट से मृणाल के साथ तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ वरुण ने कैप्शन में लिखा, लेकिन जवानी में इश्क बार-बार होता है। 7 अप्रैल को वरुण ने ठीक एक दिन पहले इसी फिल्म से पूजा हेग? के साथ अपनी एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की थी। जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, इश्क सिर्फ एक बार होता है। फिल्म है जवानी तो इश्क होना है के जरिए वरुण अपने पिता डेविड के साथ चौथी बार जुड़ रहे हैं।

बॉलीवुड | गपशप

इससे पहले पिता-पुत्र की जोड़ी फिल्म मैं तेरा हीरो (2014), जुड़वा 2 (2017), और कुली नंबर 1 (2020) में साथ काम कर चुकी है। फिल्म है जवानी तो इश्क होना है 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले इसे 5 जून को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन यश अभिनीत टॉक्सिक के साथ क्लैश से बचने के लिए तारीख को आगे खिसका दिया गया।

फिल्म इंडस्ट्री में बहुत सी एक्ट्रेस को मौके नहीं मिलते: तमन्ना

तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने करियर और आगामी प्रोजेक्ट पर बात की। इसी के साथ उन्होंने उन खास अवसरों को लेकर भी चर्चा की, जो हाल के दिनों में फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को मिले हैं। तमन्ना ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर खुशी जाहिर की और कहा, मैं अपने सभी प्रोजेक्ट्स के एक-एक करके रिलीज होने को लेकर बेहद खुश हूं।

तमन्ना भाटिया ने इंडस्ट्री में खुद को मिलने वाले काम के मौकों के प्रति खुशी जताई। साथ ही कहा कि अधिकांश सितारों को ऐसे मौके नहीं मिलते, खासकर महिलाओं को। तमन्ना ने कहा, यह बहुत दिलचस्प है। ज्यादातर कलाकारों को और शायद खासकर महिला कलाकारों को इस तरह का मौका नहीं मिलता। मेरे करियर को 21 साल हो चुके हैं, लेकिन मुझे अब भी ऐसा लगता है जैसे मैं फिर से बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत कर रही हूं।

अभिनेत्री ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में मिले बेशुमार प्यार और स्वीकार्यता पर अपनी बेहद खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा, एक एक्टर के तौर पर मुझे भी इसमें एक ताजगी का एहसास होता है। और, मुझे लगता है कि दर्शक भी लगातार मेरे प्रति बहुत प्यार और अपनापन दिखा रहे हैं। उन्होंने मुझे सचमुच बहुत ही प्यार से अपनाया है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि भारत के साउथ में मुझे बहुत ज्यादा स्वीकार्यता मिली है। तमन्ना ने आगे कहा, भारत के बाकी सभी हिस्सों से भी मुझे जिस तरह का प्यार और अपनापन मिल रहा है, वह मेरे लिए सचमुच रोमांचक है। साथ ही बहुत विनम्र कर देने वाला अनुभव है। और इसलिए, मैं लगातार ऐसे तरीके ढूंढ रही हूं, जिनसे मैं इस प्यार को किसी न किसी रूप में वापस लौटा सकूं। वर्कफ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार की फिल्म वीवन में नजर आएंगी।

अजब-गजब | 18 साल की उम्र पार करते ही दो साल के लिए देनी होती है सेना में सेवा

इस देश में पर्स की जगह बंदूक टांग कर चलती हैं महिलाएं

इजराइल में अगर आप किसी पब्लिक प्लेस पर घूमेंगे तो हैरान रह जाएंगे। यहां महिलाओं और युवतियों के हाथ में पर्स के बजाय अक्सर बड़ी-बड़ी असॉल्ट राइफलें नजर आती है। टेल अवीव की सड़कों पर, बसों में, कैफे में या शॉपिंग मॉल के बाहर खूबसूरत लड़कियां सामान्य कपड़ों में राइफल कंधे पर लटकाए घूमती नजर आ जाएगी।

कोई उन्हें छेड़ने की हिम्मत नहीं कर पाता क्योंकि वे पूरी तरह तैयार और ट्रेंड रहती है। यह दृश्य पर्यटकों को तो हैरान करता ही है, लेकिन इजराइलियों के लिए यह रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। आखिर ऐसी क्या वजह है कि ना सिर्फ महिलाएं बल्कि पुरुष भी इस देश में सड़कों पर बड़ी-बड़ी राइफल लेकर घूमते नजार आ जाते हैं। आइये आपको बताते हैं इसकी वजह।

इसके पीछे की असली वजह इजराइल की अनिवार्य सैन्य सेवा है। इजराइल दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से एक है जहां महिलाओं के लिए भी सेना में भर्ती अनिवार्य है। 18 साल की उम्र पूरी करते ही ज्यादातर युवतियों को आईडीएफ (इजराइल डिफेंस फोर्सेज) में दो साल की सेवा करनी पड़ती है। पुरुषों के लिए यह अवधि तीन साल है। सैन्य प्रशिक्षण के दौरान उन्हें हथियारों का पूरा ज्ञान दिया जाता है और ऑफ-ड्यूटी होने पर

भी कई बार उन्हें अपना हथियार साथ रखने की अनुमति मिलती है। इसका मकसद सुरक्षा सुनिश्चित करना है क्योंकि इजराइल हमेशा आतंकवादी खतरों और पड़ोसी देशों की दुश्मनी से घिरा रहता है। जब कोई सैनिक छुट्टी पर घर जाता है तो उसे हथियार अकेला छोड़ने की इजाजत नहीं होती। चोरी या गलत इस्तेमाल से बचने के लिए उन्हें हथियार साथ रखना पड़ता है। यही वजह है कि सिविलियन कपड़ों में भी युवा महिलाएं और पुरुष राइफल लेकर घूमते दिखते हैं।

टेल अवीव की डिजेंगॉफ स्ट्रीट पर या समुद्र किनारे आप एक आकर्षक युवती को राइफल के साथ स्कूटर चलाते या कैफे में बैठे आसानी से देख सकते हैं। यह दृश्य इजराइल की 'पीपुल्स आर्मी' की मिसाल है जहां हर नागरिक सुरक्षा का जिम्मेदार होता है। 7 अक्टूबर 2023 के हमास हमले के बाद स्थिति और बदल गई। उस भयानक हमले में सैकड़ों निर्दोष मारे गए जिसके बाद इजराइल सरकार ने आम नागरिकों के लिए बंदूक लाइसेंस के नियम ढीले कर दिए। नेशनल सिक्योरिटी मिनिस्टर इतमार बेन-ग्विर की पहल पर हजारों नए लाइसेंस जारी किए गए।

खासकर महिलाओं में बंदूक खरीदने का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार हमले के बाद महिलाओं द्वारा 42,000 से ज्यादा गन परमिट के लिए आवेदन किए गए और 18,000 से अधिक मंजूर हुए। अब इजराइल और वेस्ट बैंक में 15,000 से ज्यादा महिलाएं व्यक्तिगत रूप से फायरआर्म रखती हैं। इजराइल में बंदूक संस्कृति रक्षा के लिए है, हमला करने के लिए नहीं है। यहां आम नागरिकों के लिए बंदूक रखना आसान नहीं है।

लाइसेंस के लिए सख्त शर्तें हैं। सैन्य प्रशिक्षण, उचित वजह और बैकग्राउंड चेक जरूरी है। लेकिन सैनिकों और रिजर्विस्टों के लिए यह अलग है। वे ट्रेंड और तैयार रहते हैं। यही वजह है कि आतंकवादी हमलों में कई बार सशस्त्र नागरिकों या ऑफ-ड्यूटी सैनिकों ने तुरंत जवाब देकर जानें बचाई है।

कई देशों में हो रही है मगरमच्छों की खेती सालाना करोड़ों कमा रहे हैं वहां के किसान

कभी सोचा है कि खेती सिर्फ अनाज, सब्जी या फलों तक सीमित नहीं हो सकती? सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक वीडियो ने सबको हैरान कर दिया है। एक शख्स ने अपनी मगरमच्छ की खेती की झलक दिखाई, जहां बड़े-बड़े मगरमच्छ पानी में तैरते नजर आए। भारत में पारंपरिक खेती आम बात है। लेकिन अब दुनिया में इस खेती के अलावा क्रोकोडाइल फार्मिंग का ट्रेंड बढ़ रहा है। यह काम ना सिर्फ अनोखा है बल्कि बेहद खतरनाक भी है। एक पल की लापरवाही में जान जा सकती है, फिर भी कई लोग इसमें भारी मुनाफा कमा रहे हैं। इसका चलन अब भारत में भी देखने को मिल रहा है। क्रोकोडाइल फार्मिंग का मुख्य मकसद मगरमच्छ की खाल निकालना होता है। दुनिया भर में लग्जरी फैशन हाउस जैसे॥ ermes, Louis Vuitton आदि मगरमच्छ की खाल से बने हैंडबैग, बेल्ट, जूते और वॉलेट बनाते हैं। एक हाई क्वालिटी की सॉल्टवाटर या मगर क्रोकोडाइल की खाल विदेशी बाजार में सैकड़ों से हजारों डॉलर में बिकती है। भारत में हालांकि बड़े पैमाने पर कमर्शियल क्रोकोडाइल फार्मिंग सीमित है, लेकिन कुछ जगहों पर किसान और उद्यमी इस बिजनेस में कदम रख रहे हैं। इसका मांस भी बिकता है, जो कम कोलेस्ट्रॉल और हाई प्रोटीन वाला माना जाता है। एक अच्छी खाल 400 से 1500 (करीब डेढ़ लाख) या उससे ज्यादा में बिक सकती है। बड़े फार्म में सैकड़ों मगरमच्छ पाले जाते हैं। 3-4 साल में वे मार्केटेबल साइज के हो जाते हैं। शुरुआती निवेश भारी होता है। पूल बनाना, सिक्योरिटी, फीड और लाइसेंसिंग में लाखों रुपये लगते हैं। लेकिन एक बार फार्म चलने लगे तो रिटर्न बहुत अच्छा मिलता है। दुनिया के कई देशों में जैसे ऑस्ट्रेलिया, थाईलैंड, अफ्रीका और चीन में यह इंडस्ट्री अरबों डॉलर की है। किसान सालाना सैकड़ों मगरमच्छों की खाल एक्सपोर्ट करके करोड़ों कमा रहे हैं। लेकिन इसमें खतरा भी कम नहीं है। मगरमच्छ बेहद आक्रामक और तेज होते हैं। फीडिंग के समय, अंडे इकट्ठा करने या पूल साफ करते वक्त हमला हो सकता है। कई फार्म वर्कर्स को गंभीर चोटें आ चुकी है। सुरक्षा के लिए हाई फेंस, ट्रेनिंग और स्पेशल इक्विपमेंट जरूरी है। भारत में मुग्गर क्रोकोडाइल मुख्य रूप से पाला जाता है, जो मीठे पानी का है। कुछ जगहों पर सॉल्टवाटर क्रोकोडाइल भी ट्रायल हो रहे हैं। भारत में अमरावती क्रोकोडाइल फार्म (तमिलनाडु), मद्रास क्रोकोडाइल बैंक और कुछ अन्य सरकारी सेंटर मुख्य रूप से कंजर्वेशन और ब्रिडिंग के लिए हैं, जहां जंगली अंडे इकट्ठा कर पाला जाता है और युवा मगरमच्छों को जंगल में छोड़ा जाता है। लेकिन प्राइवेट कमर्शियल फार्मिंग अभी सीमित है और लाइसेंसिंग सख्त नियमों के तहत होती है।

राहुल गांधी का सिपाही हूं, नहीं डरूंगा : पवन खेड़ा

तेलंगाना हाईकोर्ट में दी अग्रिम जमानत की अर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के संबंध में तेलंगाना उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की है। एफआईआर में एकाधिक पासपोर्ट रखने से संबंधित आरोप हैं। यह शिकायत गुवाहाटी अपराध शाखा पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई है, जिनमें चुनाव के दौरान झूठे बयान, धोखाधड़ी, जालसाजी, मानहानि और जानबूझकर अपमान करना शामिल हैं। खेड़ा ने अदालत से इस मामले से संबंधित गिरफ्तारी की स्थिति में जमानत देने का अनुरोध किया है। दूसरी ओर खेड़ा ने सरमा और उनके परिवार के खिलाफ विदेश में संपत्ति होने से संबंधित नए आरोप लगाए और कहा कि वह राहुल गांधी के सिपाही हैं और बिना डरे सवाल पूछते रहेंगे।

खेड़ा ने कहा कि आपकी आदत डराने की हो सकती है, हमारी आदत डरने की नहीं हैं। कारण यह है कि मैं मेवाड़ का हूं, कांग्रेसी हूं, राहुल गांधी का सिपाही हूं। मैं नहीं डरूंगा नहीं, लेकिन मुझे सवाल पूछते रहना है, तो आपकी पुलिस को जरूर 'अवाइड (बचना)' कर रहा हूं। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ शर्मा की विवादित टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा, ''जिनका (खरगे) राजनीतिक अनुभव आपकी उम्र से ज्यादा है आप उनके बारे में अपशब्द बोलते हैं...यह असम की संस्कृति नहीं है।' खबरों के मुताबिक, असम पुलिस के अधिकारी जांच के सिलसिले में खेड़ा का पता लगाने के लिए हैदराबाद गए थे। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा के पास तीन पासपोर्ट हैं। पवन खेड़ा कांग्रेस पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष हैं। वे कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भी हैं। एफआईआर में भारतीय दंड संहिता की धारा 175, 35, 36, 318, 337, 338, 340, 352 और 356 के तहत चुनाव संबंधी झूठे बयान, धोखाधड़ी, महत्वपूर्ण दस्तावेजों और सार्वजनिक अभिलेखों की जालसाजी, जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल, शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना और मानहानि जैसे अपराधों का उल्लेख किया गया है।

असम के सीएम तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे

उन्होंने कांग्रेस द्वारा जारी एक वीडियो में यह भी कहा कि 'अपशब्द' बोलने और पुलिस से पीछा करवाने के बजाय हिमंता बिस्वा सरमा को कांग्रेस द्वारा पूछे जा रहे सवालों का जवाब देना चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि खेड़ा का वीडियो किसी 'अज्ञात स्थान' से रिकॉर्ड किया गया है। खेड़ा ने कांग्रेस द्वारा जारी वीडियो में कहा कि आप देख रहे हैं कि असम के मुख्यमंत्री तरह तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। मेरे प्लैट पर कल पुलिस वाले पहुंचे थे और मेरे इलेक्ट्रॉनिक गजट लेकर चले गए। उनका दावा है कि मैं जहां भी जाता हूं या इनको लगता है कि मैं गया हुआ हूं, वहां ये पुलिस भेज रहे हैं। क्यों? कांग्रेस ने सवाल ही तो उठाए हैं, आप कांग्रेस और मुझे चुप क्यों करना चाहते हैं? आप जवाब देने की बजाय सबको गाली दे रहे हैं और पीछे पुलिस छोड़ रहे हैं।

अपनी ही सरकार के खिलाफ उतरीं उमा भारती

» मप्र में बुलडोजर एक्शन के खिलाफ सड़क पर किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ में एक मार्मिक दृश्य देखने को मिला, जब पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती सड़क किनारे एक छोटी सी दुकान के पास खड़ी होकर गरमागरम पोहा परोसने लगीं। नगर निगम द्वारा सड़क किनारे विक्रेताओं को हटाने के विरोध में उनका यही तरीका था। 66 वर्षीय भगवा वस्त्रधारी नेता ने विरोध प्रदर्शन के लिए सिविल लाइंस क्षेत्र को चुना। एक दिन पहले ही नगर निगम ने अतिक्रमण हटाने के अभियान के तहत विक्रेताओं को हटाया था। टूटी हुई गाड़ियां और बिखरे हुए बर्तन अभी भी सड़कों पर बिखरे पड़े थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह कृत्य अतिक्रमण विरोधी अभियान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन था, जिसके तहत शहर के प्रमुख क्षेत्रों से सड़क विक्रेताओं को हटा दिया गया था।

कुछ ही दिन पहले, टीकमगढ़ नगर निगम ने सिविल लाइंस रोड पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया, जहां एसडीएम और तहसीलदार सहित अधिकारियों ने अतिक्रमण का हवाला देते हुए कई हाथगाड़ियों और छोटे-छोटे स्टॉलों को खाली कराया। इस कार्रवाई से स्थानीय विक्रेताओं में चिंता फैल गई, जिनमें से कई अपनी रोजी-रोटी के लिए इन्हीं दुकानों पर निर्भर हैं। उन्होंने प्रशासन की इस कार्रवाई को तानाशाही करार दिया और अधिकारियों से इस कार्रवाई पर पुनर्विचार करने का आग्रह करते हुए कहा कि यह गरीबों को अनुचित रूप से निशाना बना रही है। भारती ने कहा कि छोटे व्यापारी अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और इस तरह के अभियान सीधे तौर पर उनकी आजीविका को प्रभावित करते हैं।

दिल्ली को रोमांचक मुकाबले में जीटी ने एक रन से हराया

» प्रसिद्ध की शानदार गेंदबाजी और मिलर की एक गलती से हारा दिल्ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रसिद्ध कृष्णा की अंतिम ओवर में की गई शानदार गेंदबाजी और डेविड मिलर की एक गलती से गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हराया। गुजरात की आईपीएल में रनों से लिहाज से ये सबसे कम अंतराल से जीत है। गुजरात ने इसके साथ ही आईपीएल के मौजूदा सीजन में जीत का खाता खोला। वहीं, तीन मैचों में दिल्ली की यह पहली हार है।

दिल्ली ने लखनऊ सुपर जाएंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच छह-छह विकेट के अंतर से जीते थे। दिल्ली फिलहाल अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। दूसरी ओर, गुजरात की टीम पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच गंवा चुकी थी, जिसके बाद आखिरकार गुजरात ने जीत का खाता खोला है। यह टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में गुजरात ने 20 ओवर में चार विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 209 रन ही बना सकी। आईपीएल के इस रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच आखिरी ओवर तक सांसें थाम देने वाली जंग देखने को मिली। मैच का फैसला सिर्फ एक रन से हुआ, लेकिन असली टर्निंग प्वाइंट बना 20वें ओवर की पांचवीं गेंद पर लिया गया एक फैसला। जब प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर डेविड मिलर ने एक रन नहीं लिया। यह गुजरात की आईपीएल में रनों के लिहाज से सबसे करीबी जीत है। इससे पहले टीम ने 2024 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ छह रन से जीत दर्ज की थी जो उसकी सबसे कम अंतराल से जीत थी, लेकिन टीम ने अब इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

केकेआर का लखनऊ से मुकाबला आज, कैमरन फिट

नई दिल्ली। केकेआर के कैमरन ग्रीन एलएसजी के खिलाफ आज होने वाले मैच से पहले गेंदबाजी करने के लिए तैयार दिख रहे हैं। कोलकाता और लखनऊ के बीच मुकाबला ईडेन गार्डेन्स में खेला जाएगा। इस मैच में ग्रीन के गेंदबाजी करने की संभावना है, जो टीम के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। ग्रीन ने आईपीएल 2026 के शुरुआती दो मैचों (मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ) गेंदबाजी नहीं की थी। इसके बाद पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच बारिश के कारण अधूरा रह गया था। दरअसल, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही साफ कर दिया था कि ग्रीन लोअर बैक इंजरी से जूझ रहे हैं और उन्हें कुछ समय तक गेंदबाजी से दूर रहना होगा। लेकिन अब लगभग 10-12 दिन बाद उनकी रिकवरी पूरी हो चुकी है और वे फिर से गेंदबाजी के लिए तैयार हैं। ग्रीन के गेंदबाजी न करने से केकेआर की प्लानिंग प्रभावित हुई थी, क्योंकि टीम के कई मुख्य गेंदबाज बाहर रहे।

रेड्डी के दावे राजनीतिक स्वार्थ व विरोधाभासी

» बीआरएस नेता श्रीधर रेड्डी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता रावुला श्रीधर रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर केरल में चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक स्वार्थ और विरोधाभासी दावे करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के दस साल के शासनकाल में हासिल की गई आर्थिक उपलब्धियों का श्रेय खुद ले रहे हैं। बीआरएस नेता ने बताया कि केरल चुनाव प्रचार में रेवंत रेड्डी के बयान विरोधाभासी और राजनीतिक रूप से उनके स्वार्थ के लिए हैं। श्रीधर रेड्डी ने कहा कि केरल चुनाव प्रचार में रेवंत रेड्डी के बयान विरोधाभासी और राजनीतिक रूप से उनके स्वार्थ के लिए हैं। एक तरफ तो आप पिनारयी विजयन द्वारा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को लिखे पत्र का जवाब देते हुए कहते हैं कि चुनाव केरल और तेलंगाना के बीच नहीं है।

वहीं दूसरी तरफ, वह केसीआर का नाम पूरे मामले में घसीटते हुए कहते हैं कि केसीआर का शासन खराब था। बीआरएस नेता ने कहा कि जहां रेवंत रेड्डी चुनाव प्रचार के दौरान प्रति व्यक्ति आय, बिजली की खपत और जीएसडीपी वृद्धि में तेलंगाना की शीर्ष स्थिति को अपनी उपलब्धियों के रूप में उजागर कर रहे हैं, वहीं ये परिणाम वास्तव में पिछली सरकार की दीर्घकालिक योजना का फल हैं। यह घटना तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के बीच ऑनलाइन हुई तीखी बहस के बाद सामने आई है। विवाद 3 अप्रैल को शुरू हुआ, जब रेड्डी ने घोषणा की कि केरल में अंधकार युग का अंत हो रहा है और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के नेतृत्व में स्वर्ण युग की शुरुआत होने वाली है।

केसीआर के शासनकाल में राज्य ने कई क्षेत्रों में शीर्ष स्थान हासिल किया है

उन्होंने आगे कहा कि मैं कहना चाहता था कि ये उपलब्धियां पिछले डेढ़ साल में हासिल नहीं हुई हैं। ये विभिन्न क्षेत्रों में केसीआर द्वारा रखी गई मजबूत नींव का नतीजा हैं। केसीआर के शासनकाल के पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना राज्य ने कई क्षेत्रों में शीर्ष स्थान हासिल किया है। मजबूत नींव, सटीक योजना और सावधानीपूर्वक कार्यान्वयन के कारण ये सब संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री के तर्क पर सवाल उठाते हुए बीआरएस नेता ने पूछा, आज रेवंत रेड्डी गारू केरल चुनाव प्रचार में इन चीजों को अपनी उपलब्धियां बता रहे हैं, और साथ ही केसीआर के शासन को खराब बता रहे हैं। ये कैसे सही है?

ममता घुसपैठियों को वोट बैंक बनाना चाहती है: नितिन नवीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वे अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देकर बंगाल के लोगों के अधिकारों का हनन कर अपना वोट बैंक बनाना चाह रही हैं।

उन्होंने कहा कि इसका मकसद अवैध घुसपैठियों को हटाना है, खासकर बांग्लादेश से आए उन लोगों को जो गलत तरीकों से नागरिकता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। नवीन ने बनर्जी और कांग्रेस, दोनों की आलोचना करते हुए कहा कि जब भारत को पाकिस्तान से सुरक्षा संबंधी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, तब वे चुप रहे थे।

राघव चड्ढा बना सकते हैं अपनी पार्टी

» सोशल मीडिया पर पोस्ट से मची हलचल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के इर्द-गिर्द नई राजनीतिक हलचल मची हुई है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि वो खुद का युवा नेतृत्व वाला राजनीतिक मंच शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। ये अटकलें तब और तेज हो गईं जब चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक समर्थक द्वारा पोस्ट किया गया वीडियो दोबारा साझा किया, जिसमें उनसे एक नई पार्टी शुरू करने का आग्रह किया गया था। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए चड्ढा ने लिखा कि दिलचस्प विचार, इस प्रतिक्रिया ने कई अनुयायियों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या वह युवा समर्थित राजनीतिक पहल की संभावना का संकेत दे रहे हैं।

वीडियो में समर्थक ने कहा कि हर वयस्क और किशोर चाहता है कि राघव चड्ढा अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बनाएं, शायद जेन-जेड पार्टी या कोई भी ऐसा नाम जो उन्हें उचित लगे। अगर वे किसी दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं, चाहे वह कोई भी हो, तो शायद उन्हें उतना समर्थन न मिले जितना अभी मिल रहा है। उन्हें विरोध का भी सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, अपनी खुद की पार्टी शुरू करना एक समझदारी भरा फैसला होगा।

तीन राज्यों में मतदान, असम में सबसे ज्यादा वोटिंग

सभी दलों ने की लोगों से वोट देने की अपील, 2 बजे तक असम में मतदान 75 प्रतिशत के पार, केरल-पुदुचेरी में भी 60 प्रतिशत से अधिक वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीन राज्यों में आज विस चुनावों के लिए वोटिंग चल रही है। तीनों राज्यों में सुबह से ही पोलिंग बूथों पर लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। एक दो जगहों पर छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांति के साथ लोग अपने वोटों का प्रयोग कर रहे है।

उधर भाजपा, कांग्रेस, डीएमके, एआईडीएमके, वाम दलों ने अपने-अपने जीत के दावे किए हैं। दो राज्यों असम और केरल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए मतदान कराए जा रहे हैं। दोनों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में एक ही चरण में मतदान कराए जा रहे हैं। असम में 126, केरल की 140 और पुदुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हो रही है।

असम के मुख्यमंत्री और जलुकबारी से उम्मीदवार हिमंता बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा और बच्चों के साथ कामपुर के एक मतदान केंद्र पर असम विधानसभा चुनाव 26 के लिए अपना वोट डाला। इस दौरान मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने जीत पर पूर्ण विश्वास जताते हुए कहा, 100 प्रतिशत जीत तय है।असम के मशहूर गायक पापोन ने गुवाहाटी में अपना वोट डाला। इसके बाद उन्होंने कहा, मैं युवाओं से अपील करता हूं कि वे बाहर आएं और अपना वोट डालें। मौसम बहुत अच्छा है और शानदार व्यवस्थाएं की गई हैं, हर वोट कीमती है इसलिए हमें मतदान जरूर करना चाहिए। आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में राजस्थान रॉयल्स टीम के कप्तान रियान पराग ने भी गुवाहाटी के एक मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। रियान गुवाहाटी के खारगुली में लाल सिंह अकादमी पोलिंग स्टेशन पर मतदान करने पहुंचे।

सीएम हिमंता ने भी किया मतदान

असम में चुनावी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी की मौत

असम विधानसभा चुनाव के बीच सोनितपुर जिले के नदुआ निर्वाचन क्षेत्र में तैनात एक मतदान अधिकारी मृत पाए गए। मृतक का नाम देबेन होरो था और उनकी उम्र 45 वर्ष थी। वह डोलापानी एलपी स्कूल के मतदान केंद्र संख्या 230 पर दूसरे मतदान अधिकारी के रूप में तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि देबेन होरो आज सुबह अपने बिस्तर पर बेहोश मिले थे। जिसके बाद उन्हें तुरंत एम्बुलेंस से पास के अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत का असली कारण अभी साफ नहीं है। हालांकि, डॉक्टरों को किसी पुरानी बीमारी का शक है। देबेन होरो चारीद्वार क्षेत्र के रहने वाले थे और एक सरकारी स्कूल में सहायक शिक्षक थे। इस घटना का मतदान पर कोई असर नहीं पड़ा। बूथ पर सुबह 7 बजे तय समय पर वोटिंग शुरू हुई। प्रशासन ने उनकी जगह एक आरक्षित कर्मचारी को तैनात कर दिया है। असम की 126 सीटों पर शाम 5 बजे तक मतदान होगा। वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी।

असम में खूब पड़ रहे वोट

असम, केरल, पुदुचेरी राज्यों में विधानसभा चुनाव 26 के लिए मतदान की प्रक्रिया जारी है। दोपहर एक बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, असम में सबसे अधिक 59.63 प्रतिशत मतदान हुआ है। पुदुचेरी में 56.83 प्रतिशत और केरल में 49.70 प्रतिशत वोट पड़ चुके हैं। केरल की 140, असम की 126 और पुदुचेरी की 30 सीटों पर जनता अपने भविष्य का फैसला कर रही है।

केरल में एलडीएफ की बड़ी जीत का दावा

केरल विधानसभा चुनाव के लिए तिरुवनंतपुरम में अपना वोट डालने के बाद सीपीआई के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने एलडीएफ की बड़ी जीत का दावा किया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, पूरे राज्य से खबरें आ रही हैं कि मतदाता एलडीएफ को वोट देने के लिए उमड़ रहे हैं। केरल में कांग्रेस और भाजपा के अपवित्र गठबंधन को हराना होगा। मेरी जनता से अपील है कि वे एलडीएफ को वोट दें क्योंकि यही उम्मीद है और यही वह राजनीतिक शक्ति है जो धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, संघवाद की रक्षा करेगी और देश के गरीबों के लिए खड़ी होगी।

अलीगंज हनुमान मंदिर की दीवार गिरी मलबे में दबे 3 महीने के मासूम की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में स्थित हनुमान मंदिर परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब मंदिर की एक पुरानी दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के दौरान पास में मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए, जिनमें एक तीन महीने का मासूम बच्चा भी शामिल है।

मासूम दीवार के मलबे में दब गया, जिसे आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोगों ने बिना देर किए बच्चे को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत को बेहद गंभीर बताया। फिलहाल बच्चे को ट्रामा सेंटर में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मंदिर की दीवार काफी जर्जर हो चुकी थी, लेकिन समय रहते उसकी मरम्मत नहीं कराई गई। कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद जिम्मेदारों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, जिसका नतीजा आज इस दर्दनाक हादसे के रूप में सामने आया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मलबा हटाने का काम भी शुरू कर दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं और कोई व्यक्ति दबा न हो। उक्त दीवार के सहारे कुछ लोग झुग्गी-झोपड़ी बनाकर निवास कर रहे थे, जिसके मलबे में झोपड़ी बनाकर रह रहे गजोधर पुत्र मेवालाल निवासी मूल पता मिसरिख सीतापुर वर्तमान पता निकट हनुमान मंदिर अलीगंज लखनऊ जो ऑटो चालक है, का 6 माह का पुत्र दब गया था। वर्तमान में पुलिस बल मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु मौजूद है तथा अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। जांच एवं अन्य आवश्यक विधिक कार्वाई प्रचलित हैं।

परिसीमन उत्तर भारत को फायदा पहुंचाएगा : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बोले -दक्षिण की आवाज दबाने की साजिश कर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के उद्देश्य से प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इस कदम को सत्ता का पुनर्गठन बताया है।

31 जनवरी, 2026 को एक पोस्ट में स्टालिन ने चेतावनी दी कि यदि परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर किया जाता है, तो उत्तर भारतीय राज्यों को आवंटित सीटों की संख्या लगभग दोगुनी हो जाएगी, जबकि दक्षिण भारतीय राज्यों के पास लोकसभा की लगभग 24 प्रतिशत सीटें रह जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) महिला आरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन सीटों की कुल संख्या बढ़ाने का विरोध करती है। स्टालिन ने लिखा कि यह सुधार नहीं, बल्कि सत्ता का पुनर्गठन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार संसद की नींव को ही धीरे-धीरे खोखला कर रही है। बहस और जवाबदेही के लिए एक जीवंत मंच को एक खोखले अनुष्ठान में तब्दील किया जा रहा है, एक ऐसा मंच जहां सदस्यों को बोलने या अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने का उचित समय भी नहीं मिल पाता। सीटों में वृद्धि का यह प्रस्ताव उनके अपने नारे न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन% का सीधा खंडन है। इससे केवल खर्च बढ़ेगा, करदाताओं पर बोझ बढ़ेगा और संसदीय कार्यप्रणाली की गुणवत्ता कम होगी।संविधान के अनुच्छेद 1 का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 1 की भावना के भी विरुद्ध है, जो भारत को राज्यों का संघ बताता है। राज्यों की आवाज़ों को नज़रअंदाज़ करना और सार्थक परामर्श को दरकिनार करना लोकतांत्रिक नहीं है ङ्क यह एकाधिकारवादी अतिक्रमण है जो भारत के संघीय और बहुलवादी स्वरूप को कमजोर करता है। स्टालिन ने अन्य दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों का समर्थन किया और परिसीमन प्रक्रिया को जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों के लिए दंडात्मक बताया।

बारामती में उपचुनाव नहीं लड़ेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा मोड़ आया है। कांग्रेस ने एलान किया है कि वह इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। यह फैसला पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद सम्मान जताने के तौर पर लिया गया है। इस निर्णय के बाद अब बारामती सीट पर चुनाव का माहौल पूरी तरह बदल गया है।

दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नाथाला ने साफ कहा कि पार्टी ने अपने उम्मीदवार को मैदान से हटाने का निर्देश दे दिया है। कांग्रेस के उम्मीदवार आकाश मोरे ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन अब उसे वापस लिया जाएगा। नामांकन वापस लेने का आज आखिरी दिन था, इसलिए यह फैसला अहम माना जा रहा है।

सीईसी को हटाने का प्रस्ताव खारिज होने पर विपक्ष ने उठाया सवाल

अभिषेक मनु सिंहवी बोले-एक पीठासीन अधिकारी के विवेकाधीन निर्णय तक सीमित किया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीन राज्यों की वोटिंग के बीच एकबार फिर चुनाव आयुक्त विपक्ष के निशाने पर हैं। इसबार कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंहवी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव खारिज होने की आलोचना करते हुए कहा कि महाभियोग की पूरी संवैधानिक प्रक्रिया को एक पीठासीन अधिकारी के विवेकाधीन निर्णय तक सीमित कर दिया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त

अभिषेक मनु सिंहवी

उन्होंने सवाल उठाया कि कैसे सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित छह-चरणीय न्यायिक और संसदीय प्रक्रिया को एक ही व्यक्ति के फैसले से दरकिनार किया जा सकता है, जिससे संस्थागत जवाबदेही खतरे में है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंहवी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के विपक्ष के प्रस्ताव को खारिज किए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि महाभियोग की प्रक्रिया प्रभावी रूप से एक ही व्यक्ति के निर्णय तक सीमित हो गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए सिंहवी ने कहा कि महाभियोग की प्रक्रिया एक व्यक्ति के निर्णय तक सीमित हो गई है। इससे लोकतंत्र के मंदिर, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायिक निकाय और सर्वोच्च न्यायालय के परामर्श द्वारा किसी भी प्रकार की आगे की जांच-पड़ताल का प्रावधान समाप्त हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह छहों चरणों को इस तरह समेट लेता है मानो उस शक्ति, उस संरचना, उस क्रम को केवल पीठासीन अधिकारी ही इतनी संकीर्ण दृष्टि से देख सकते हों। यदि यही तरीका अपनाया जाता है, तो आप ही बताइए, आप समिति में महाभियोग की कार्यवाही कैसे कर पाएंगे? आप संसदीय विवेक की सामूहिक प्रक्रिया का सहारा कैसे ले पाएंगे? इस प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताते हुए सिंहवी ने कहा कि इसके बाद यह पूरी तरह से गलत तरीके से एक छोटा-सा मुकदमा चलाती है। यह प्रत्येक आरोप को लेती है; उस आरोप पर पीठासीन अधिकारी की राय देती है। आपको वकील होने की आवश्यकता नहीं है; सामान्य ज्ञान ही बताता है कि प्रत्येक आरोप में, यदि वह पीठासीन अधिकारी है और वह अपनी राय देता है, तो महाभियोग की कार्यवाही कभी नहीं हो सकती।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा